खबर संक्षेप

सीवर लाइन के नाम पर फिर खोदी गई सड़क, टिकुरिया टोला के रहवासी बेहाल

सतना। शहर के वार्ड नंबर 44,टिकुरिया टोला स्थित शासकीय स्कूल के पीछे वाली गली में नगर निगम और ठेकेदारों की लापरवाही का आलम देखने को मिल रहा है। सीवर लाइन कनेक्शन के नाम पर हाल ही में बनी सड़क को दोबारा खोद दिया गया है,जिससे स्थानीय निवासी बेहद परेशान हैं। वार्ड वासियों का आरोप है कि निगम के इंजीनियरों और संविदाकार की मनमानी के कारण शहर में सीवर प्रोजेक्ट लोगों के लिए मुसीबत बन चुका है। निर्माण और फिर खुदाई के इस खेल से सरकारी धन की बर्बादी के साथ-साथ आम जनता की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है।

कलेक्टर ने किया औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण

सतना। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान नयागांव कोठी और बाबूपुर के औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कोठी स्थित एमएसएमई के औद्योगिक क्षेत्र में अतिक्रमण तथा बाबूपुर कनियारी में एमपीआईडीसी के औद्योगिक क्षेत्र में पहुंच मार्ग की समस्या का मौके पर निरीक्षण कर निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर तहसीलदार सौरभ मिश्रा,सहायक महाप्रबंधक उद्योग आरएल पाण्डेय सहित अधिकारी तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे।

देमातरम के साथ हुई कार्यालयीन कामकाज की शुरूआत

सतना। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रुप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम तथा राष्ट्रगान जन-गण-मन का गायन करने के उपरांत कार्यालयीन काम की शुरूआत की गई। इस अवसर पर एसडीएम जितेंद्र वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कटनी की शांतिदेवी जायसवाल का सतना मेडिकल कॉलेज में देहदान

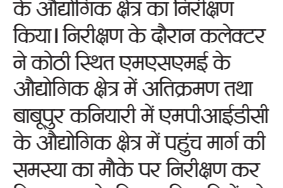

सतना। कटनी जिले के ग्राम बरही की निवासी श्रीमती शांतिदेवी जायसवाल ने मरणोपरांत देहदान कर समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। उनकी अंतिम इच्छा के अनुरूप परिजनों ने उनकी देह सतना मेडिकल कॉलेज को सौंप दी। इस पुनीत कार्य के सम्मान में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और प्रशासन द्वारा उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। यह देहदान आने वाले समय में चिकित्सा शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों के शोध और अध्ययन में मील का पत्थर साबित होगा।

गेहूं खरीदी में सरकार की लेट लतीफी से बाजार में लुट रहा है किसान : दिलीप मिश्रा

सतना। जिले में गेहूं खरीदी को लेकर एक बार फिर सरकार की नियत और नीत पर सवाल खड़े हो गए 1 अप्रैल से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी शुरू करने का ऐलान करने वाली सरकार अब पीछे हटती नजर आ रही है ताजे आदेश के अनुसार सतना व मैहर जिले में गेहूं खरीदी की तिथि 15 अप्रैल निर्धारित की गई है जिससे प्रदेश के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने गेहूं खरीदी मामले पर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार की लेट लतीफी सीधे तौर पर किसानों के साथ अन्याय है गेहूं की फसल पूरी तरह तैयार होकर किसानों के घर पहुंच चुकी है लेकिन खरीदी शुरू न होने से किसान खुले बाजार में औने पौने दामों पर अपनीउपज बेचने को मजबूर हो चुका है श्री मिश्रा गेहूं खरीदी मामले पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि भाजपा सरकार के लिए किसान नहीं बल्कि बहाने प्राथमिकता बन गए हैं कभी बारदाने की कमी तो कभी व्यवस्थाओं का रोना रोकर खरीदी टाल दी जाती है अभी सरकार बारदानों का रोना रो रही है जबकि असलियत यह है कि सरकार किसानों की फिक्र करने के बजाय सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रह गई है।

जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर भारी जाम जीवन और मौत के बीच फंसी आधा दर्जन एंबुलेंस

सतना।

शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था की लाइफलाइन कहे जाने वाले जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर आज उस समय अफरा-तफरी मच गई,जब वहां भीषण जाम लग गया। इस जाम की वजह से न केवल सामान्य आवाजाही प्रभावित हुई,बल्कि मानवता को शर्मसार करने वाली स्थिति तब पैदा हो गई जब आधा दर्जन से अधिक एंबुलेंस इस ट्रैफिक में फंस गईं।

सांसों पर भारी पड़ता 'ट्रैफिक का पहिया'

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,अस्पताल के प्रवेश द्वार पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और भारी दबाव के कारण स्थिति अनियंत्रित हो गई। जाम में फंसी इन एंबुलेंसों में कई गंभीर मरीज सवार थे,जिन्हें तत्काल इलाज की आवश्यकता थी। सायरन की गूंज के बावजूद रास्ता नहीं मिल पाने के कारण तीमारदारों के चेहरे पर अपनों को खोने का डर साफ देखा गया।

अव्यवस्था की भेंट चढ़ता समय

अस्पताल के मेन गेट पर सुरक्षा गार्डों की कमी और बेतरतीब खड़े वाहनों ने इस समस्या को और विकराल बना दिया है। जाम में फंसे एक मरीज के परिजन ने रुंधे गले से बताया,हम पिछले 20 मिनट से यहीं खड़े हैं,मरीज को ऑक्सीजन की जरूरत है लेकिन रास्ता ही नहीं मिल रहा।

प्रशासनिक सजगता पर सवाल

यह घटना जिला अस्पताल की सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आपातकालीन सेवाओं के लिए 'ग्रीन कॉरिडोर' जैसी व्यवस्था तो दूर,अस्पताल के दरवाजे पर सामान्य रास्ता बहाल रख पाना भी चुनौती बना हुआ है। यदि समय रहते पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए,तो यह 'जाम' किसी के जीवन की अंतिम रुकावट बन सकता है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि अस्पताल के मुख्य गेट को तत्काल नो-पार्किंग जोन घोषित कर वहां स्थाई पुलिस बल की तैनाती की जाए।

सतना-मैहर हाइवे पर अवैध रूप से मिट्टी निकालने वाले दो हाइवा एक डम्फर जब्त

मैहर।

सतना- मैहर हाइवे (राम वन गमन पथ) में अवैध अतिक्रमण एवं मिट्टी निकाली जा रही है जिसकी शिकायत पर कार्रवाई कर दो हाइवा जब्त किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार एनएचएआई की जमीन को अवैध रूप से खोदकर मिट्टी निकालने के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो डंपर और एक जेसीबी मशीन जब्त कर ली है। बताया जा रहा है कि हाइवे निर्माण कार्य पूरा करने के बाद संबंधित ठेका कंपनी अपना कैंप खाली करने की तैयारी में है। इस दौरान कंपनी भूस्वामियों को जमीन वापस करने के नाम पर उसे समतल करने के लिए हाइवे की ही जमीन से मिट्टी खोद रही थी जो नियमों के खिलाफ है।सबसे बड़ी बात यह है कि हाइवे चौड़ीकरण के दौरान जिन गड्ढों में आगे चलकर मिट्टी की जरूरत पड़ेगी,उसी जगह से अभी मिट्टी निकाल ली जा रही थी जिससे भविष्य में सड़क की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल खड़े हो सकते हैं। जानकारी मिलने सरकारी अमला मौके पर पहुंच कर कार्रवाई की गई,जिसमें एसडीएम सुमेश द्विवेदी,तहसीलदार ज्योति पटेल,आरआई प्रमोद पटेल मौजूद रहे। प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि सरकारी जमीन के दुरुपयोग और नियमों के उल्लंघन पर किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी।क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना है कि क्या निर्माण एजेंसियां काम खत्म होने के बाद नियमों को ताक पर रखकर मनमानी कर रही हैंजिस अंकुश लगाना जरूरी है।

नए श्रम कानूनों के विरोध में ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन,'काला दिवस' मनाकर जताया आक्रोश

सतना।

पुष्करणी पार्क में संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर केंद्र सरकार की नई श्रम नीतियों के खिलाफ 'काला दिवस' मनाया गया। प्रदर्शन के दौरान श्रमिक नेताओं ने मोदी सरकार द्वारा 125 साल पुराने 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर,उनके स्थान पर 4 श्रम संहिताएं लागू करने के निर्णय की तीखी आलोचना की।

श्रमिकों के अधिकारों पर प्रहार:

टीयूसी महासचिव कॉमरेड संजय सिंह तोमर ने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से लागू ये संहिताएं देश की मेहनतकश जनता को 'गुलाम' बनाने की साजिश हैं।आरोप लगाया गया कि बिना ट्रेड यूनियनों की सलाह के बनाए गए ये कानून केवल देशी-विदेशी पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाने के लिए हैं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अभावः वक्ताओं ने इसे मेहनतकश जनता के साथ विश्वासघात करार दिया।

प्रदर्शन में शामिल प्रमुख संगठन

इस संयुक्त मोर्चे में टीयूसी,सीटू,इंटक,एटक,एमपीएमएस आरयू और बैंक-बीमा संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। मुख्य रूप से हरि प्रकाश गोस्वामी,टीपी पांडे,तेजप्रताप दुबे,शंकर सिंह तिवारी और राम सरोज कुशवाहा सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि इन काले कानूनों को वापस नहीं लिया गया,तो आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन में सी और डी श्रेणी के विभागों को नोटिस

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मैहर।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में कलेक्टर रानी बाटड ने सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग में सी और डी में रहे विभागों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा है कि अभी से प्रतिदिन शिकायतों का निराकरण करते हुए ए और बी श्रेणी में आने का प्रयास करें। उन्होंने चालू माह की शिकायतों के साथ 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण कर शिकायत बंद कराने के निर्देश दिये है। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन,एसडीएम डॉ.आरती सिंह,दिव्या पटेल,एसपी मिश्रा,डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल,आरटीओ संजय श्रीवास्तव,डीपीओ राजेन्द्र बांगरे,डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी एवं सीईओ जनपद पंचायत उपस्थित थे। जल गंगा संवर्धन अभियान की ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभागवार किये गये कार्यो की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि संबंधित अधिकारी फील्ड में रहकर अभियान की गतिविधियों का क्रियान्वयन करें और प्रचार-प्रसार करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक विभाग अभियान के दौरान की गई प्रतिदिन की कार्यवाही की रिपोर्ट ग्रुप में शेयर कर कलेक्ट्रेट को प्रस्तुत करेंगे। त्यौहारों के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को खाद्य एवं मिष्ठान प्रतिष्ठानों से नियमित रूप से सैम्पल लेकर आवश्यक जांच कार्यवाही करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अपनाये।अपने विभाग द्वारा निर्मित संरचनाओं, जल संचय की संरचना को खसरे में इन्द्रराज कराये। उन्होंने सीईओ जनपद से कहा कि पंचायतें अक्सर बिना अनुमति और जमीन आवंटन कराये संरचनायें बनाती है।ग्राम पंचायतों को समझाये कि आबादी के अलावा अन्य शासकीय जमीन के उपयोग के पूर्व उसका आवंटन विधिवत प्राप्त करें।टीएल सहित अन्य बैठकों में बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने और सीएम हेल्पलाइन के बडी संख्या में प्रकरण लंबित रहने पर उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये।

बस स्टैंड के पास से बाइक चोरी,सीसीटीवी में कैद हुए चोर

सतना।

शहर के व्यस्ततम इलाके कोलगवां थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास से एक ब्लैक स्पलेंडर बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात छाया ऑफसेट के सामने हुई,जिसकी पूरी फुटेज दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हो गई है। संचालक बालेंद्र कुमार मिश्रा ने कोलगवां थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दिनदहाड़े और भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस चोरी ने पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त में जुटी है।

मझागवां के पास दो कारों में आमने-सामने की भिड़ंत, बाल-बाल बचे सवार

सतना।

मझागवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत चितहरा मोड़ के पास दो कारों के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सुखद पहलू यह रहा कि इस हादसे में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने या गंभीर चोट लगने की खबर नहीं मिली है।

कैसे हुआ हादसा?

मझगवां थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो कार्यक्रम में एच 49 बीबी 9731 महाराष्ट्र निवासी देवड़ा करतार सिंह इस वाहन पर सवार होकर सतना की ओर आ रहे थे। तभी बोलेरो एमपी-19 सीसी 5480 से बिरसिंहपुर तहसील के तिघरा गांव निवासी अजय पाण्डेय सतना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चितहरा मोड़ के पास दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहनों के चालक मझागवां पुलिस थाने पहुंचे। हालांकि,पुलिस को दिए बयानों में दोनों पक्षों ने कानूनी कार्यवाही करने से इनकार कर दिया। दोनों चालकों ने पुलिस को बताया कि उनके बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया है।किसी भी पक्ष द्वारा रिपोर्ट दर्ज न कराए जाने के कारण पुलिस ने इस मामले में कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया है। दोनों चालक बिना किसी औपचारिक शिकायत के थाने से वापस लौट गए।

मझगवां सांदीपनी विद्यालय में 'प्रवेश उत्सव' की धूम

शंखध्वनि और पुष्पवर्षा के साथ हुआ नए सत्र का आगाज़

सतना।

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार,1अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुए नवीन शिक्षा सत्र को सांदीपनी विद्यालय मझगवां में बेहद भव्यता और दिव्यता के साथ 'प्रवेश उत्सव' के रूप में मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस समारोह ने न केवल शिक्षा के प्रति उत्साह जगाया,बल्कि अपनी सांस्कृतिक गरिमा से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी निरंजन जायसवाल,जनपद सदस्य रामनारायण यादव,बरौं जनपद सदस्य सतनामी जी,संस्था के प्राचार्य राजेंद्र उपाध्याय,बीएसी अजय मिश्रा,माध्यमिक खंड के प्रधानाध्यापक महेंद्र त्रिपाठी एवं वरिष्ठ शिक्षक लूमेश्वर प्रसाद शर्मा द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। छात्राओं ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। प्रवेश उत्सव का दृश्य किसी उत्सव जैसा प्रतीत हो रहा था। जहाँ एक ओर शिक्षिकाएं हाथ में मंगल कलश लेकर नवागंतुक छात्रों के स्वागत हेतु खड़ी थीं,वहीं दूसरी ओर अतिथियों द्वारा तिलक लगाकर और माला पहनाकर बच्चों का कक्षा में प्रवेश कराया गया। इस दौरान शंख और घड़ियाल की मंगल ध्वनियों ने पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया,जिससे कार्यक्रम की दिव्यता देखते ही बन रही थी। उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय परिवार के इस नवाचार और भावपूर्ण स्वागत की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

शैक्षिक उपलब्धियों पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की गतिविधियों और सफलताओं पर भी प्रकाश डाला गया। शिक्षक नागेन्द्र कुमार द्विवेदी ने विद्यालय में संचालित आधुनिक शैक्षिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। प्राथमिक खंड के प्रधानाध्यापक दल प्रताप विश्वकर्मा ने बताया कि विगत 4 वर्षों से विद्यालय का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। यहाँ के छात्र प्रतिवर्ष नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूल जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि विद्यालय का समस्त स्टाफ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरी निष्ठा के साथ संकल्पित है।

निःशुल्क सामग्री वितरण एवं स्नेह भोज

शासन की योजना के अंतर्गत अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया,जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का सफल और कुशल संचालन पंकज कपूर द्वारा किया गया। अंत में,स्व-सहायता समूह द्वारा बच्चों को सुरुचिपूर्ण और गुणवत्तापूर्ण भोजन कराया गया,जिसके साथ ही इस गरिमामय समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक , गणमान्य नागरिक और विद्यालय का समस्त शिक्षक-कर्मचारी स्टाफ उपस्थित रहा।

हरदासपुर में नरवाई की आग ने मचाई तबाही, 2 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख

सतना।

मैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम हरदासपुर में बीती रात भीषण आगजनी की घटना सामने आई है। यहाँ एक खेत में अचानक आग लग जाने के कारण देखते ही देखते लाखों रुपये की गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। पुलिस की शुरुआती जांच में आग लगने का कारण 'नरवाई' (फसल के अवशेष) जलाना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार,आग इतनी तेजी से फैली कि किसान को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस की सक्रियता से फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया,जिसने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।हालांकि,जब तक आग बुझाई जाती,तब तक करीब 2 एकड़ में लगी फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी।

जांच और मुआवजा प्रक्रिया

पुलिस प्रशासन का कहना है कि समाचार लिखे जाने तक किसान द्वारा थाने में आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। रिपोर्ट दर्ज होते ही नुकसान का सटीक आकलन कर प्रकरण पंजीबद्ध किया जाएगा। आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए किसान और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पीड़ित किसान को फसल के नुकसान की भरपाई के लिए राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना होगा,जिसके बाद नियमनुसार सहायता राशि प्रदान की जाएगी। प्रशासन ने अपील की है कि खेतों में नरवाई न जलाएं,क्योंकि तेज हवाओं के कारण यह छोटी सी चिंगारी बड़ी आगजनी का रूप ले लेती है और अन्य किसानों की मेहनत को भी संकट में डाल देती है।

आखिरकार भितरी मुटमुरू डेम पहले किस नियम से बना, फूटने के बाद क्या नियम ही बदल दिये गये

डेम की आवंटित भूमि में होने लगी खेती, वहीं बर्बाद ीवह में हो रहे असमायिक पषुओं की मौतें

किस तरह से जिले की जनता के सामने सरकार की योजनायें विकास की देखने को मिलती है उदाहरण को लेकर जिले की गुनौर विधानसभा अंतर्गत भितरी मुटमुरू डेम जो 30 जून 2013 बह गया यह योजना लगभग 85 करोड़ की लागत से बताई जा रही है जिसमें पहली बार डेम बनकर तैयार हुआ था जो पहली ही बारिस में 30 जून 2013 को बह भी गया था वहीं ीवह जो बन रही थी वह भी अधर में रह गई

पन्ना।

अब जहां डेम बनना था वहां हो रही खेती तथा ीवह में असमायिक पषुओं की मौतों को नकारा नहीं जा सकता सिचांई के सपने तो सपने ही रह गये

जिले के जनपद पंचायत पवई क्षेत्रांतर्गत बुन्देलखण्ड पैकेज से मंजूर 85 करोड़ की लागत से वर्श 2013 में भितरी मुटमुरू डेम बनाया गया था जो पहली ही बारिस में 30 जून 2013 को बांध पत्ते की तरह बह भी गया। वहीं बांध फूटने के कारण कुलगवां मडैयन बिलहा छिजौरा, मटेवरा, पिपरिया, धरवारा, पठानटोला तथा पथरहा गांव में बांढ का खतरा भी पैदा हो गया था। बांध फूटने के बाद जिम्मेदारों पर कार्यवाही की दिषा भी तय हुई पर सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि भितरी मुटमुरू डेम जो बनाया गया था वह फूटने के बाद इसी हालात में क्यों छोड़ दिया गया है क्या सरकार के द्वारा किसानों को मुआवजा राषि प्रदान नहीं की गई। या फिर अब सरकार ने भितरी मुटमुरू डेम बनाने का लक्ष्य ही छोड़ दिया आखिरकार पहले किस नियम के तहत इस डेम को बनाया जा रहा था वहीं क्या सरकार ने नियम बदल दिये। अजीबोगरीब दास्तां जहां पहली बार डेम बनाया गया किसानों को सिंचाई का सपना दिखाया गया पर पहली बारिस में ही डेम के बह जाने के बाद अब डेम को उसी हालात छोड़ दिया गया। जहां डेम बनाया गया था वहां फसलें उगाई जा रही है वहीं जो ीवह अधूरी पड़ी है बिना पानी की सूखी वह पषुओं की असमायिक मौत का कारण जरूर मानी जा रही है। सवाल यह उठता है कि सरकार के द्वारा किस तरह से 85 करोड की लागत वाला यह भितरी मुटमुरू डेम लावारिस हालत में क्यों छोड़ा गया इसके पीदे सरकार की मंषा क्या? अपने आप में जो कहीं न कहीं आम जनता जवाब मांग रही है क्या सरकार ने भितरी मुटमुरू डेम बनाने को लेकर अब नियम बदल दिये पहले किस नियम से बना दिया गया था। यह है वास्तविकता किस तरह से विकास का मॉडल सिंचाई को लेकर पंजाब जैसा बनाने का वादा किया जा रहा था यहां तो वादा ही रह गया। अब आम जनता की राषि जो टेक्स के रूप में ली जाती है जिससे सरकार विकास पर व्यय करती है वह राषि पहली ही बारिस में बह जाने के बाद किसानों को सिंचाई का सपना ही रह गया आखिर भितरी मुटमुरू डेम आज भी बनने के इंतजार में।

खबर संक्षेप

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का हुआ सामूहिक गायन

पन्ना। अप्रैल माह के प्रथम कार्य दिवस पर बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन कर शासकीय कार्य की शुरूआत की गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में सुबह अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वंदे मातरम एवं जन गण मन का सामूहिक गायन किया गया।

पटना कला में भीषण आग, दो किसानों के घर जलकर खाक

पन्ना। तहसील पवई अंतर्गत ग्राम पटना खम्पारिया (पटना कला) में बीती रात्रि एक बड़ा हादसा हो गया, जब किसान के घर में अचानक आग लग गई। जानकारी के अनुसार, किशोर सिंह और कोमल सिंह राजपूत के घरों में रात लगभग 2 बजे आग भड़क उठी। आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल प्रयास कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी और दोनों घरों में फैल गई। देखते ही देखते घर में रखा सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस चौकी मोहंद्रा मौके पर पहुंची और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ति परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

अमानगंज मेंलगा निःशुल्क नेत्र परीक्षण व स्वास्थ्य शिविर

अमानगंज। बुधवार 1 अप्रैल 2026 को विधायक कार्यालय में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर गुन्नौर विधायक ने कहा कि गरीबों का निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपण कराना बहुत बड़ी जनसेवा है और ऐसे शिविर जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होते हैं। डॉ. राजेश वर्मा की पहल और उनके अथक प्रयासों से आयोजित इस शिविर में पन्ना जिला चिकित्सालय से आयुर्वेदिक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले शिविर में आयुर्वेदिक के 124 मरीज, एलोपैथिक के 20 मरीज तथा नेत्र संबंधी 206 मरीजों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ लिया। इनमें 6 मरीजों में मोतियाबिंद पाए जाने पर उन्हें आगे उपचार हेतु जानकी कुंड चित्रकूट भेजा गया।

पुलिस द्वारा थाना शाहनगर क्षेत्र में खाद-बीज डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर किसान से लाखों की ठगी करने वाले 2 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार एवं नगदी जप्त

आरोपी भोले-भाले किसानों को फंसाकर करते थे धोखाधड़ी

पन्ना।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देषन में पन्ना पुलिस द्वारा षाहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत खाद-बीज डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर की गई धोखाधड़ी के गंभीर मामले में कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेष किया गया है। मामले में दिनांक 18.08.2025 को फरियादी मुकेष कुमार साहू निवासी ग्राम बोरी द्वारा थाना षाहनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मुझे खाद-बीज के डिस्ट्रीब्यूटर का लायसेन्स दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी पूर्वक 02 लाख 34 हजार 500 रूप्ये की ठगी कर ली है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना षाहनगर में अज्ञात आरोपियों के विJ अपराध क्रमांक 269/25 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया। थाना प्रभारी षाहनगर निरीक्षक परषुराम डाबर द्वारा घटना की विस्तृत जानकारी वरिश्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा घटना को गंभीरता से लिया गया । मामले में पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देषन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना सिंह चौहान व एस.डी.ओ.पी पवई श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्षन एवं थाना प्रभारी षाहनगर निरीक्षक परषुराम डाबर के नेतृत्व में एक विषेश पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पतारसी एवं गिरफ्तारी हेतु फरियादी के बताये अनुसार आरोपियों के आने जाने वाले संभावित सभी रास्तो पर लगे सीसीटीव्ही कैमरो के फुटेज खंगाले गये एवं संदेही व्यक्तियों को चिन्हित किया गया । मामले में पुलिस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया साथ ही पुलिस सायबर सेल टीम से मामले के संबंध में तकनीकि जानकारी एकत्रित की गई। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले में 02 संदेही व्यक्तियों को सीतापुर उ0प्र0 से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। उक्त दोनो संदेहियों द्वारा पूँछताछ किये जाने पर अपने-अपने नाम पता पुलिस टीम को बताये गये। पुलिस टीम द्वारा घटना के संबंध में कड़ाई से पूँछताछ किये जाने पर अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर फरियादी को फर्टिलाइजर कंपनी का प्रतिनिधि बनकर डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का लालच देकर डिस्ट्रीब्यूटर लाइसेंस एवं खाद-बीज उपलब्ध कराने का झांसा देकर धोखाधड़ी करना स्वीकार किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के बताये अनुसार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एकै ष्ब्ज बात एवं 15 हजार रूप्ये नगद जप्त किये जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में 01 आरोपी फरार है जिसे जल्द गिरफ्तार किया जावेगा । मामले में गिरफ्तार आरोपियों द्वारा पन्ना जिले के अतिरिक्त, कटनी, औरैया, जबलपुर एवं झाँसी में इसी तरीके की धोखाधड़ी कारित की गई है। वर्तमान में आरोपी धर्मषाला हिमांचल प्रदेष तरफ इसी तरीके की धोखाधड़ी हेतु अपना नेटवर्क तैयार कर रहे थे जिन्हे पन्ना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूँछताछ जारी है जिनसे अन्य राज्यो एवं जिलो के मामलो का खुलासा होने की प्रबल संभावना है।

गिरफ्तार आरोपीः- 01. गोपीचन्द्र पिता जोधी प्रसाद श्रीवास्तव उम्र 42 वर्श निवासी जिला सीतापुर (उ.प्र.) 02. कन्हैया लाल यादव पिता दुलारे यादव उम्र 32 वर्श निवासी जिला सीतापुर (उ.प्र.)

फरार आरोपीः- 01. अनूप पिता जोधी प्रसाद श्रीवास्तव, उम्र 42 वर्श, निवासी जिला सीतापुर (उ.प्र.)

जप्त सामग्रीः- मामले में पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एकै ष्ब्ज बात क्रमांक न्च78थ्म्5883 कीमती करीब 5 लाख रूप्ये एवं नगद 15000 रूप्ये सहित कुल मषरूका कीमती करीब 05 लाख 15 हजार रूप्ए का जप्त किया गया है।

सराहनीय योगदान - उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी षाहनगर निरी0 परषुराम डावर, उनि0 मनोज यादव, प्र0आर0 मनोज त्रिपाठी, आर0 रविन्द्र , आर0 दिनेष यादव चौकी पुरैना थाना सिमरिया एवं पुलिस सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

स्कूल चले हम अभियान प्रवेश उत्सव की हुई शुरुआत

पीएम श्री शासकीय बालक माध्यमिक शासकीय अमानगंज में हुई जोरदार शुरुआत

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज नगर की प्रमुख शैक्षणिक संस्था पी एम श्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज में आज प्रवेश उत्सव स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत पूरे उत्साह के साथ मनाया गया जहां लाइव प्रसारण के माध्यम से छात्रों ने प्रदेश सरकार के मुखिया का आयोजन भी देखा शुरुआत में वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच मां सरस्वती और भारत माता का पूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल संगठन के उपाध्यक्ष पत्रकार अमित द्विवेदी, मीडिया प्रभारी कार्यक्रम के अध्यक्ष अतुल चौबे विद्यालय के प्राचार्य एस के द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया जहां छात्रों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया इस मौके पर संगठन के मुख्य अतिथि मंडल संगठन के उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी ने हर छात्र को आज विद्या अध्ययन के लिए एक संकल्प लेने की बात कही और कहा कि आप इस कक्षा की पढ़ाई का संकल्प आज से ही ले शिक्षक के पीछे आप चले अपनी शिक्षा ग्रहण करने के लिए आज से संकल्प लें और एक नया लक्ष्य तय करके अच्छे अंकों में आगामी कक्षा को उत्तीर्ण करें इसमें मौके पर अतुल जी चौबे ने अपने उद्बोधन के माध्यम से बताया कि पढ़ाई के लिए अभी काफी समय है अभी से ही आप अपने चार से पांच अध्याय कंप्लीट कर सकते हैं परीक्षा तिमाही छमाही और वार्षिक होती है जिसकी मजबूती से तैयारी आरंभ करते हुए अच्छे अंकों में उत्तीर्ण हो सकते विद्यालय के प्राचार्य यश के द्विवेदी जी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से बताया कि आप पढ़ेंगे तभी आगे बढ़ेंगे जिससे आपके माता पिता का नाम रोशन होगा आपके विद्यालय का औरं आपका नाम रोशन होगा और यदि बुरी संगत में फसेंगे तो सभी का नाम खराब होगा राज्य शासन ने शिक्षक के सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई हुए हैं वह जरूरत है तो आपको उनका लाभ लेने की शिक्षक आपको पढ़ाया गया लेकिन तैयारी आपको ही करनी होगी कार्यक्रम को सेवा निवृत शिक्षक विनोद जी गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए विद्यार्थीयो को विद्या अध्ययन के कई उपाय बताएं कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त एवं कार्यक्रम को सफल संचालन शिक्षक प्रदीप जी द्विवेदी द्वारा किया गया आयोजन में मुख्य रूप से शिक्षाक अजय रेजा सहित समूचा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

खून से लिखे पत्रों के बाद भी नहीं हुई सुनवाई, अब हजारों लोगों के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर में अपनी आवाज को बुलंद करने के लिये दिल्ली 5 अप्रैल को पहुंचने का दावा - अमित भटनागर

जानकारी मांगने जाने पर लगाये जा रहे फर्जी केस

वादाखिलाफी से त्रस्त आदिवासी किसान 5 अप्रैल को दिल्ली कूच के लिए तैयार

पन्ना।

जय किसान संगठन के बैनर तले सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर द्वारा पन्ना एवं छतरपुर जिले के आदिवासी किसानों के अधिकारों को लेकर एक बड़े आंदोलन की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक दमन, झूठे केस और वादाखिलाफी के कारण अब आंदोलन को तेज किया जाएगा और हजारों किसान 5 अप्रैल को दिल्ली कूच करेंगे। जय किसान संगठन के बहादुर आदिवासी, मंगल यादव और दिव्या अहिरवार ने बताया कि 12 मार्च 2026 को प्रशासन द्वारा लिखित आश्वासन दिया गया था कि 7 दिनों में सर्वे एवं 5 दिनों में परियोजना से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे, लेकिन आज तक कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया। इसके विपरीत क्षेत्र में धारा 163 लागू कर और आंदोलनकारियों पर फर्जी केस लगाकर दबाव बनाया जा रहा है। अमित भटनागर ने कहा कि जब लोग अपने अधिकारों की जानकारी मांगते हैं, तो उन्हें जवाब देने के बजाय उनके ऊपर केस थोप दिए जाते हैं, जो कि लोकतंत्र के खिलाफ है और प्रशासनिक दमन का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने घोषणा की कि अब प्रशासन के साथ सभी बातचीत समाप्त की जाती है और "न्यायदृअधिकार जन आंदोलन" की शुरुआत की जाती है। 5 अप्रैल को सुबह 10रू00 बजे डायमंड चौराहा से दिल्ली कूच प्रारंभ होगा, जो विभिन्न स्थानों से होते हुए दिल्ली पहुंचेगा और जंतर-मंतर पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

आदिवासी किसानों और महिलाओं का कहना है - यह सिर्फ मुआवजे की लड़ाई नहीं है, यह हमारे जल, जंगल, जमीन, आजीविका, संस्कृति और अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। अमित भटनागर ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन विकास के खिलाफ नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और कानून के उल्लंघन के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा, सम्मान जनक पुनर्वास और "गांव के बदले गांव" की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में पन्ना विधायक ने छात्राओं को वितरित कीं निःशुल्क पुस्तकें एवं साइकिल

प्रवेश उत्सव के साथ आरंभ हुआ स्कूल चलें हम अभियान

पन्ना।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत बुधवार को शासकीय मनहर कन्या उ.मा. विद्यालय पन्ना में जिला स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और छात्राओं का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही नवीन प्रवेशित एवं कक्षोन्नति प्राप्त करने वाली छात्राओं को पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया। इसके अलावा विभिन्न कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरूस्कार का वितरण कर बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। पन्ना विधायक ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। मेधावी विद्यार्थियों के लिए लैपटॉप सहायता सहित स्कूटी योजना का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के हित में मूलभूत सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया गया है। स्मार्ट क्लास एवं उन्नत प्रयोगशालाओं की सुविधा भी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र विद्यार्थियों का अभियान अंतर्गत विद्यालयों में शत प्रतिशत नामांकन की कार्यवाही की जाए। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की भी पहचान कर पुनः नामांकन करवाया जाना भी जरूरी है। विधायक ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का हक मिला है। प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। नवीन शिक्षा नीति के सभी व्यवहारिक प्रावधानों को प्रदेश में लागू करने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं अभिनव पहल की भी शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा की महती आवश्यकता है। पन्ना जिले के विद्यार्थियों में भी प्रतिभा एवं आगे बढ़ने की ललक है। विभिन्न क्षेत्रों में यहां की प्रतिभाओं ने अपनी पहचान स्थापित की है। इसमें ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने छात्राओं से लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में सार्थक प्रयास व परिश्रम करने का आह्वान किया तथा कहा कि ज्ञानार्जन के साथ संस्कार ग्रहण करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी छात्राएं किसी भी समस्या पर तत्काल अपने शिक्षकगण को अवगत कराएं। शिक्षकों द्वारा भी समस्या का तत्परतापूर्वक निराकरण किया जाए। इस दौरान स्थानीय विधायक ने पुस्तकालय और वॉटर कूलर सुविधा का लोकार्पण कर छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण भी किया। विद्यालय प्राचार्य अमीनुद्दीन ने छात्राओं की सुविधा के दृष्टिगत विभिन्न मांगों के संबंध में अवगत कराया। साथ ही कार्यक्रम की संक्षिप्त कार्ययोजना भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा सामूहिक स्वागत गीत प्रस्तुत कर भविष्य की कार्ययोजना भी साझा की गई। प्रवेश उत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में नपाध्यक्ष मीना पाण्डेय, पार्षद संगीता राय, कलेक्टर ऊषा परमार, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी सहित कैलाश गुप्ता तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे। इसके अलावा राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल से जिले के लिए नियुक्त ओआईसी भानुप्रकाश खरे, दर्शना साकरे, भारती श्रीवास्तव, पुष्पराज सिंह, विभूति मोहन पटेरिया, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, बालमुकुन्द तिवारी एवं बीआरसीसी कविता त्रिवेदी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन राजेश मिश्रा तथा आभार प्रदर्शन संजय शर्मा द्वारा किया गया। जिले के अन्य विद्यालयों में भी स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

खबर संक्षेप

लाखों की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर। सिविल लाइन थाना पुलिस चेक बाउंस एवं लेनदेन के मामले में करोड़ों की 420 करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कार्यवाही की है आरोपी बुरहानपुर का रहने वाला है और उसका नाम ऋषिकेश आतरे को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि चेक बाउंस के मामले में एक आरोपी फरार था जिसके ऊपर ग्वालियर और छतरपुर जिले में कुल 5 मामले दर्ज हैं। इसके विरूद्ध और भी कई लेनदेन की शिकायतें थीं। कई लोगों का पैसा इनवेस्ट करने के नाम पर ले लिया था और फरार हो गया था। करीब 4 से 5 साल से वह यहां से फरार था। आरोपी ऋषिकेश आतरे बुरहानपुर का रहने वाला है और यहां पर नरसिंहगढ़पुरवा में रहकर लोगों से धोखाधड़ी की है। हमारी जानकारी के मुताबिक करीब 70 से 80 लाख रूपए लोगों का इनवेस्ट के नाम पर ठगा गया और वापिस नहीं किया गया। और लोगों को इसकी सूचना मिली तो और भी कई लोग शिकायतें लेकर आ रहे हैं अनुमान के मुताबिक डेढ़ से दो करोड़ रूपए का लेनदेन सामने आ रहा है।

चंदला में दो गुटों में खूनी संघर्ष, युवक की गर्दन पर चाकू से वार

चंदला। चंदला थाना क्षेत्र के बंजारी मार्ग पर रात 8 बजे दो गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। झड़प के दौरान धारदार हथियार से हमला किया गया, जिसमें सचिन आजाद नामक युवक की गर्दन पर चाकू से गंभीर वार किया गया। घटना में सचिन आजाद को गंभीर चोट आई है। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए चंदला स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सचिन आजाद को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, सचिन आजाद के खिलाफ चंदला थाने में पहले से तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य केंद्र में मीडिया कर्मियों को वीडियो बनाने से रोकते हुए सचिन आजाद ने उंगली दिखाकर धमकाया भी। चंदला पुलिस ने पूरे मामले में समीर और महफूज अंसारी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी आपस में भाई बताए जा रहे हैं। पुलिस इस मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

आंगन की हौदी बनी मौत का कारण डेढ़ साल के मासूम की डूबने से मौत

खेत पर थे परिजन, खेलते-खेलते पानी में गिरी बच्ची, गांव में पसरा मातम

छतरपुर। जिले के बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घूरा में एक दर्दनाक हादसे में डेढ़ वर्षीय मासूम बच्ची की आंगन में बनी पानी की हौदी में डूबने से मौत हो गई। मृतका सनाया, पिता ठाकुर दास पटेल की सबसे छोटी बेटी थी।

घटना मंगलवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है। उस समय सनाया घर के आंगन में अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। खेलते-खेलते वह अचानक आंगन में बनी पानी की हौदी में गिर गई। घटना के समय परिवार के अधिकांश सदस्य खेत पर फसल कटाई के काम में व्यस्त थे। जब मां सविता घर लौटी तो उसने अपनी बेटी को हौदी में डूबा हुआ देखा। परिजनों ने तुरंत बच्ची को बाहर निकाला और निजी वाहन से सबसे पहले बमीठा अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद सनाया को मृत घोषित कर दिया।

इस दुखद घटना से पूरे परिवार और गांव घूरा में शोक का माहौल छा गया है। मासूम सनाया परिवार की सबसे छोटी सदस्य थी और उसकी मौत ने सबको गहरी पीड़ा पहुंचाई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिले में गेंहू का उपार्जन 15 अप्रैल से शुरू होगा

छतरपुर। उप सचिव म.प्र. शासन खाद्य विभाग भोपाल के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 मे समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू उपार्जन कार्य प्रारम्भ करने की तिथि 15 अप्रैल 2026 से निर्धारित की गई है, जिस हेतु छतरपुर जिले मे 80 गेंहू उपार्जन केन्द्र की अनुमति प्रदाय की गई है।

एमएसपी 2625 रुपए निर्धारित, 80 उपार्जन केन्द्र जिले में बनाए गए

शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेंहू की उपार्जन दर 2585 रु. एवं 40 रुपए बोनस कुल 2625 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। गेंहू खरीदी का कार्य सप्ताह में 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) प्रातः 8 बजे से शाम 8 बजे तक किया जाएगा और उपार्जन म.प्र. सिविल सप्लाईज कॉर्पो. द्वारा किया जाएगा। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने उक्त उपार्जन केन्द्रों पर भौतिक एवं मानव संसाधन आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर द्वारा शासन के निर्देशों के आधार पर जिला उपार्जन समिति द्वारा विचार-विमर्श उपरान्त सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय अनुसार 80 गेंहू उपार्जन केन्द्र निर्धारित किये गये है। इन उपार्जन केन्द्रों पर नोडल अधिकारियों का दल भी नियुक्त किया गया है, जो संबंधित केन्द्र की गतिविधियों के पर्यवेक्षण, निगरानी, किसानों द्वारा लाई जा रही फसल के गुणवत्ता, विक्रेता-क्रेता की समस्या को मौके पर निराकरण करने, उपार्जन केन्द्र पर समस्त आवश्यक व्यवस्थायें कराने, उपार्जन केन्द्र पर शासन के निर्देशानुसार फसल उपार्जित कराने आदि के उत्तरदायी होंगे तथा समस्त सहायक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तथा समिति प्रशासक एवं सहकारिता निरीक्षक अपने-अपने पदस्थगी क्षेत्र के उपार्जन केन्द्रों के सेक्टर अधिकारी होगें। जिनकी समीक्षा संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (रा०) द्वारा की जाएगी।

ट्रेक्टर चालक ने मारी बाईक सवार को टक्कर, पिता-पुत्र घायल

छतरपुर। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक सड़क हादसा बमीठा थाना क्षेत्र के खरोई गांव में हुआ।

खरोई निवासी सुरेंद्र रैकवार 29 वर्ष अपने 10 वर्षीय बेटे बृजेश के साथ मोटरसाइकिल पर खेत जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की और दोनों को बमीठा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर बनी रहने पर जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। फिलहाल दोनों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने ट्रैक्टर की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान दर्ज करने का काम शुरू कर दिया है।

खेत पर मकान निर्माण रोकने पर भड़का विवाद

एक दर्जन लोगों ने दो लोगों को बेरहमी से पीटा, 9 पर केस दर्ज

छतरपुर। जिले के सरवई थाना क्षेत्र के ग्राम बिजासीन में जमीन विवाद को लेकर देर रात हिंसक झड़प हो गई। जानकारी के अनुसार, गोविंद मिश्रा सहित अन्य लोग श्रवण मिश्रा की खेत की जमीन पर जबरन मकान निर्माण का काम कर रहे थे। इस जमीन को लेकर श्रवण मिश्रा द्वारा पहले से प्रशासनिक स्टे लिया गया था, बावजूद इसके निर्माण कार्य जारी था।

जब श्रवण मिश्रा 37 वर्ष और उमाकांत मिश्रा 50 वर्ष ने इसका विरोध किया, तो आरोप है कि गोविंद मिश्रा, मोहन मिश्रा, कृष्णा शुक्ला, भोले शुक्ला, जितेंद्र पांडेय, रामलखन मिश्रा, अवधेश मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा और प्रीतम मिश्रा सहित करीब एक दर्जन लोगों ने लाठी-डंडों से दोनों पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। सरवई थाना पुलिस ने मामले में 9 आरोपियों के खिलाफ क्वहूस की विभिन्न धाराओं 191(1), 191(3), 190, 296(ङ्ग), 115(2) और 351(2) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छतरपुर में परिवहन विभाग की कार्रवाई, 11 बसों पर जुर्माना

छतरपुर। जिला कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देश पर आरटीओ मधु सिंह द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 35 बसों की सघन जांच की गई।

जांच के दौरान 11 बसें नियम विरुद्ध संचालित पाई गईं। इन बसों के विरुद्ध मोटर यान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 12,500 का जुर्माना अधिरोपित किया गया, जिसकी मौके पर ही वसूली की गई। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा और यात्री हितों को ध्यान में रखते हुए चलाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। परिवहन विभाग ने वाहन संचालकों से नियमों का पालन करने और सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की अपील की है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा और दंड से बचा जा सके।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग, संकरी गली के कारण फायर ब्रिगेड को हुई परेशानी

छतरपुर। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गोवर्धन टॉकीज के पास शॉर्ट सर्किट के कारण अब्दुल की उजाल एवं छिलाई पॉलिश की दुकान में अचानक आग लग गई। घटना से आसपास अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई। आग तेजी से फैलने लगी तो स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी।फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन गली अत्यंत संकरी होने के कारण वाहन घटना स्थल से करीब 50 मीटर दूर ही खड़ा करना पड़ा। इससे आग बुझाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। हालांकि फायर ब्रिगेड की छोटी गाड़ी और मौके पर मौजूद लोगों की त्वरित सूझबूझ से फायर सिलेंडर का उपयोग कर आग पर काबू पा लिया गया। समय पर आग बुझ जाने से बड़ा हादसा टल गया और आसपास की अन्य दुकानों को नुकसान नहीं पहुंचा।घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

हाई टेंशन लाइन की चपेट में आए ट्रक ड्राइवर की दर्दनाक मौत

नौगांव/छतरपुर। ईशानगर रोड स्थित आर्मी कैंट के पास ग्राम सलेहा निवासी एक ट्रक ड्राइवर की हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से बुधवार दोपहर करीब 11:30 बजे दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक व्यापारी का ट्रक सीमेंट उतारने के लिए वेयरहाउस के पास खड़ा था। ट्रक ड्राइवर तिरपाल खोलने के लिए ट्रक की छत पर चढ़ा हुआ था। इसी दौरान ट्रक के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन उसकी चपेट में आ गई और करंट लगने से वह झुलस गया। घटना इतनी भयावह थी कि ट्रक ड्राइवर का करीब 40 प्रतिशत शरीर जल गया। घटना की सूचना मिलते ही नौगांव पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत विद्युत विभाग को सूचित किया। विद्युत विभाग की टीम ने लाइन बंद कराकर शव को नीचे उतरवाया। पुलिस एवं विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की विवेचना कर रही है। दुर्घटना इतनी दर्दनाक थी कि आसपास सड़क पर भारी जाम लग गया। स्थानीय लोग और चालक इस हादसे को देखकर सदमे में हैं। पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपने की कार्यवाही कर रही है।

बागेश्वर धाम में श्री हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन आज

भगवान भोलेनाथ और बालाजी का होगा विशेष श्रंगार

महोत्सव में शामिल होंगे देश भर के धर्म प्रेमी

छतरपुर। संतो की तपोभूमि बागेश्वर धाम के पीठाधीश पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने जिन बालाजी की कृपा से दुनिया के कोने-कोने में सनातन की पताका फहराई है। इसी बागेश्वर धाम में भगवान बालाजी का जन्मोत्सव विशाल और भव्य रूप से मनाया जा रहा है। पहली बार इतने विशाल स्तर पर आयोजित हो रहे इस उत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। इस विशेष अवसर पर बालाजी एवं भोलेनाथ का दिव्य श्रृंगार किया जाएगा और उन्हें 56 प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे। मंदिर सहित पूरे परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया है जो भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने और भक्ति के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का भी संदेश देता है।

श्री धाम वृंदावन के प्रख्यात कथा वाचक पुंडरीक गोस्वामी महाराज बागेश्वर धाम पधार रहे हैं। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार शाम 4 बजे से 6 बजे तक पुंडरीक गोस्वामी जी के श्रीमुख से हनुमान जी की कथा श्रवण करने का सौभाग्य मिलेगा। देश के कोने-कोने से आ रहे धर्म प्रेमी न केवल श्री हनुमान जी की कथा का रसपान करेंगे बल्कि बागेश्वर धाम में श्री हनुमान जन्मोत्सव के विशाल आयोजन में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव को इस बार भव्यता दी जा रही है। बागेश्वर महाराज पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कहते हैं कि रामनवमी, महाशिवरात्रि जैसे पर्व बृहद रूप में मनाए जाते हैं लेकिन इस बार से बागेश्वर धाम में श्री हनुमान जन्मोत्सव भी बृहद स्तर पर मनाया जा रहा है।

चंदला के सांदीपनी विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया प्रवेश उत्सव

राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार मुख्य अतिथि, छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

चंदला। मध्य प्रदेश में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 अप्रैल को विद्यालयों में प्रवेश उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चंदला के सांदीपनी विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री एवं चंदला विधायक दिलीप अहिरवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिलीप अहिरवार ने विद्यालय के विकास को अपनी प्राथमिकता बताई और कहा कि वे हमेशा जनता की सेवा में तत्पर रहेंगे। उन्होंने कक्षा नौवीं के उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया और उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए।

उद्बोधन के दौरान श्री अहिरवार ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि 1998 में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब स्कूलों में आज जैसी सुविधाएं नहीं मिल पाती थीं। उन्होंने अपनी स्कूली दिनों की यादें साझा करते हुए बताया कि उस समय उन्हें और उनके सहपाठियों को बैठने के लिए टाट, फट्टी और बोरी के लिए लडना-झगडना पड़ता था। इस अवसर पर चंदला विधायक एवं राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार के साथ सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य करण सिंह, चंदला तहसीलदार नारायण अनुरागी, चंदला थाना प्रभारी संदीप दीक्षित, नगर परिषद सब इंजीनियर विपिन अग्निहोत्री तथा भाजपा के तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कामदगिरि पीठाधीश्वर सहित अनेक संत विद्वान रहेंगे शामिल, कथा में भक्तों से किया आव्हान

आज सुबह 11 बजे होगा 51 फीट ऊंची अष्ट धातु हनुमान प्रतिमा का अनावरण समारोह

छतरपुर। हनुमान जयंती उत्सव इस बार छतरपुर के लिए एक विशेष सौगात के रूप में मनाया जा रहा है। जयंती पर गुरुवार को जानराय टौरिया पर विराट महाबली 51 फीट ऊंची अष्टधातु हनुमान प्रतिमा का अनावरण समारोह हो रहा है। इस विराट प्रतिमा से छतरपुर को प्रदेश सहित देश में एक नई पहचान मिली है। प्रतिमा के नीचे गुफाएं भी हैं, जो अद्वितीय मानी जा रही हैं। अनावरण समारोह को लेकर आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। समारोह कामदगिरि पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामस्वरूप आचार्य के मुख्य आतिथ्य में होगा। जानराय टौरिया महंत ने भगवानदास शृंगारी महाराज ने बताया कि 7 साल पूर्व भूमि पूजन भी उन्हीं के द्वारा किया गया था, आज अनावरण भी वही कर रहे हैं।

समारोह की शुरुआत सुबह 8 बजे से होगी। रामचरित मानस पाठ के साथ हवन कुंड में यज्ञ आहुतियां होंगी। ठीक 11 बजे कामदगिरि पीठाधीश्वर जगतगुरु रामस्वरूप आचार्य के हाथों से वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ अनावरण होगा और भगवान के नेत्र लोक दर्शन के लिए खोले जाएंगे। समारोह में जनकपुर नेपाल मिथिला पीठाधीश्वर जगतगुरु विष्णु देवाचार्च महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी सुरेंद्रदास महाराज गुजरात, डॉ. मदन गोपालदास महाराज कामदगिरी पीठ, 120 वर्षीय गोमाखुर्द महंत बालक दास महाराज, 103 वर्षीय महंत राजारामचंद्र आचार्य डाकोर गुजरात सहित अनेक संत विद्वान समारोह के साक्षी बनेंगे। प्रतिमा के नीचे गुफाएं भी हैं, जहां तीर्थ स्थल की झलकियां देखने को मिलेंगी। गुफाओं के पट भी अनावरण समारोह के साथ लोक दर्शन के लिए खोले जाएंगे, इनमें सीता गुफा, रामबाग, शृंगी ऋषि गुप्ता, शिव वाटिका आदि हैं। अनावरण समारोह बाद भंडारा प्रसाद शुरू होगा, जो देर रात तक जारी रहेगा। श्रीराम और हनुमंत कथा में मिथिला पीठाधीश्वर जगतगुरु विष्णु देवाचार्य महाराज ने हनुमान जी के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि सच्ची भक्ति वही है, जिसमें अहंकार का स्थान नहीं होता। हनुमंत लाल की तरह यदि व्यक्ति पूर्ण समर्पण और सेवा भाव रखे, तो उसे हर कार्य में सफलता प्राप्त होती है। कथा में आचार्य ने भक्तों को अमृतमयी प्रवचनों का रसापान कराया। इसी तरह कामदगिरि पीठ के डॉ. मदनगोपाल महाराज ने 51 फीट ऊंची प्रतिमा के बारे में भक्तों को बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा पर्वत आकार प्रतिमा है, यह रामचरित मानस में लेख है। उन्होंने कहा कि रामकाज लगी तू अवतारा, सुनतहू भयो पर्वताकारा। यहां जो कोई भी दर्शन करने आएगा, उसके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड पाठ और लाल कपड़ा में नारियल बांधने से कार्य सिद्ध होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविंद्र अरजरिया और पं. सौरभ तिवारी द्वारा किया गया।

राजनगर पुलिस ने किया नकली सोने के सिक्कों का खुलासा

5 लाख 5 हजार रुपये और नकली सिक्के बरामद, 4 आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर। जिले के थाना राजनगर पुलिस ने नकली सोने के सिक्कों को असली बताकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का मात्र 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके पास से धोखाधड़ी के 5 लाख 5 हजार रुपये नकद और प्रयुक्त नकली सोने के सिक्के बरामद किए हैं।

विगत दिवस थाना राजनगर क्षेत्र के राजा मार्केट निवासी निशांत सोनी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने नकली सोने के सिक्के को असली सोने के सिक्के बताकर उनसे 5 लाख 5 हजार रुपये की धोखाधड़ी की। रिपोर्ट पर थाना राजनगर में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने त्वरित विवेचना शुरू की और तकनीकी व गुप्त सूत्रों के आधार पर छानबीन करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में बब्बू अहिरवार (निवासी ग्राम मोटे पुरवा नहरी, थाना नरैनी, जिला बांदा), रामकेश अहिरवार (निवासी ग्राम बरकोला, थाना अजयगढ़, जिला पन्ना), कमलेश आदिवासी (निवासी ग्राम नहदौरा, थाना राजनगर, जिला छतरपुर) और मनोज विश्वकर्मा (निवासी ग्राम पाय, थाना राजनगर, जिला छतरपुर) शामिल हैं। अभियुक्त रामकेश अहिरवार पहले से चोरी और मारपीट जैसे दो आपराधिक मामलों में लिप्त बताया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पूरा धोखाधड़ी किया गया 5 लाख 5 हजार रुपये नकद तथा नकली सोने के सिक्के भी बरामद कर लिए हैं।

हनुमान जयंती आज: 500 वर्ष प्राचीन चिरहुला नाथ मंदिर में उमड़ेगा आस्था का जनसैलाब

बजरंगबली की अदालत में लाखों श्रद्धालु करेंगे फरियाद, सुरक्षा व्यवस्था के रहेंगे विशेष इंतजाम

रीवा।

कलयुग के देवता और संकटमोचन के रूप में पूजित भगवान बजरंगबली की महिमा का अद्भुत केंद्र रीवा शहर का चिरहुला नाथ मंदिर हनुमान जयंती के अवसर पर एक बार फिर आस्था के महासागर में परिवर्तित होने जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और दर्शन व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। बता दे चिरहुला नाथ मंदिर की विशेष पहचान बजरंगबली की अदालत के रूप में है। ऐसी मान्यता है कि यहां स्वयं भगवान हनुमान न्यायाधीश के रूप में विराजमान होकर भक्तों की हर पीड़ा सुनते हैं और उसका समाधान करते हैं। यही वजह है कि दूर-दराज से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं को लेकर यहां पहुंचते हैं और पूरी श्रद्धा के साथ अर्जी लगाते हैं। मंदिर में केवल हनुमान जयंती ही नहीं, बल्कि प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को भी भारी भीड़ देखने को मिलती है। कई श्रद्धालु वर्षों से लगातार इन दिनों मंदिर पहुंचकर दर्शन कर रहे हैं। भक्तों का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद अवश्य पूरी होती है।

500 वर्ष पुरानी है आस्था की यह धरोहर

चिरहुला नाथ मंदिर का इतिहास लगभग 500 वर्ष पुराना बताया जाता है। मान्यता के अनुसार संत चिरौल दास बाबा ने यहां भगवान बजरंगबली की स्थापना की थी। उनके नाम पर ही इस मंदिर का नाम चिरहुला नाथ पड़ा। चिरहुला तालाब के किनारे स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। स्थानीय परंपराओं के अनुसार, इस मंदिर को जिला अदालत का दर्जा प्राप्त है, जबकि रामसागर मंदिर के समीप स्थित हनुमान मंदिर को हाईकोर्ट माना जाता है। यह अनूठी मान्यता श्रद्धालुओं के विश्वास को और अधिक दृढ़ बनाती है।

मनोकामना पूर्ण होने पर होते हैं विशेष आयोजन

मंदिर में मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालुओं द्वारा रामचरितमानस का पाठ, सुंदरकांड, भंडारा और अन्य धार्मिक आयोजन कराए जाते हैं। इसके अलावा बच्चों के मुण्डन, बरहौं एवं अन्य संस्कारों के लिए भी यह स्थान अत्यंत लोकप्रिय है। यहां होने वाले धार्मिक आयोजनों से मंदिर परिसर में हमेशा आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहता है।

चिरहुलानाथ कॉरिडोर देगा नई पहचान

मंदिर परिसर में इन दिनों उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर "चिरहुलानाथ कॉरिडोर" का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त हॉल तैयार किए जा रहे हैं, जहां सुंदरकांड, रामचरितमानस पाठ और भंडारे जैसे बड़े आयोजन सुगमता से संपन्न हो सकेंगे। कॉरिडोर बनने के बाद मंदिर की व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक हो जाएगी।

प्रशासन के हाथों में मंदिर प्रबंधन

शहर के मध्य गुढ़ हाईवे से लगे इस मंदिर का संचालन राज्य सरकार के अधीन ट्रस्ट द्वारा किया जाता है, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर के पास है। मंदिर के रख-रखाव, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी जिला प्रशासन संभाल रहा है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसे सेफ भोग प्लेस घोषित किया गया है, जहां प्रसाद और भोग प्रशासन की निगरानी में तैयार किया जाता है। वहीं रामसागर और खेमसागर मंदिरों का संचालन पारंपरिक रूप से पुजारियों द्वारा किया जाता है।

हनुमान जयंती पर विशेष व्यवस्था

हनुमान जयंती के मद्देनजर प्रशासन ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष इंतजाम किए हैं। यातायात नियंत्रण, पार्किंग, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और प्रसाद वितरण को लेकर अलग-अलग टीमें तैनात की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रवेशोत्सव के साथ स्कूलों का नया शिक्षा सत्र हुआ शुरू जिला पंचायत अध्यक्ष ने नव प्रवेशी छात्राओं का किया स्वागत

रीवा । जिले के सभी प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में प्रवेशोत्सव के साथ एक अप्रैल से नया शिक्षा सत्र शुरू हो गया। विद्यार्थियों का विद्यालयों में तिलक लगाकर स्वागत करते हुए नई कक्षा में प्रवेश कराया गया। विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की गईं। जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम शासकीय एसके कन्या उमावि में आयोजित किया गया। प्रवेशोत्सव का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि नई पीढ़ी को शिक्षित और संस्कारवान बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। सभी विद्यार्थी नई कक्षा में आज प्रवेश लेकर पूरे उत्साह के साथ शिक्षा प्राप्त करें। शिक्षा के विकास के लिए शासन द्वारा निःशुल्क किताबें, पात्र विद्यार्थियों को साइकिल तथा छात्रवृत्ति दी जा रही है। अच्छी शिक्षा से ही उन्नति का मार्ग खुलता है। प्रवेशोत्सव में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि शिक्षा ही विकास का आधार है। सभी विद्यार्थी पूरी लगन के साथ पढ़ाई करें। कक्षा दसवीं के बाद सभी विद्यार्थी अपनी रूचि और योग्यता के अनुसार विषय लेकर पढ़ाई करें तथा कॅरियर की तैयारी करें। लगातार प्रयासों से ही सफलता प्राप्त होती है। सभी अभिभावक अपने बच्चों को शाला में प्रवेश अवश्य कराएं। जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला समन्वयक शिक्षा मिशन सभी सर्वेक्षित विद्यार्थियों का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। मजरे, टोले या अन्य स्थानों में यदि कोई विद्यार्थी छूट गया तो उसका भी शाला में प्रवेश कराएं। कक्षाएं शुरू होने से पहले नए शिक्षा सत्र की तैयारी कर लें और प्रवेश संबंधी कार्यवाहियाँ पूरी कर लें। प्रवेशोत्सव में अभिभावकों को भी अनिवार्य रूप से शामिल करें। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा ने विभागीय योजनाओं तथा नए शिक्षा सत्र के संबंध में की गई तैयारियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सहायक संचालक राजेश मिश्रा, जिला समन्वयक शिक्षा मिशन राजेश तिवारी, शिक्षकगण, विद्यार्थियों के अभिभावक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार का गढ़ बना रीवा का बिजली विभाग, बिना सूचना काटी सप्लाई

बीमार दंपति कई दिनों से अंधेरे में, सीएम हेल्पलाइन, कॉल सेंटर और प्रशासन को शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं, उपभोक्ता फोरम में भी फर्जीवाड़े का आरोप

रीवा। शहर के निराला नगर स्थित राजीव मार्ग निवासी रामायण प्रसाद गौतम ने प्रेस वार्ता कर बिजली विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने संभागीय आयुक्त एवं मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर को शिकायत भेजकर आरोप लगाया है कि विभाग के अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी करते हुए उनकी बिजली सप्लाई बिना किसी पूर्व सूचना के काट दी और शिकायतों के बावजूद अब तक बहाल नहीं की गई। उन्होंने बताया कि उनके घर के भूतल और प्रथम तल पर अलग-अलग आईवीआरएस कनेक्शन स्थापित हैं। लंबे समय से विभाग द्वारा गलत और मनमाने बिजली बिल भेजे जाते रहे, जिनकी शिकायत करने पर कभी सुधार किया गया, लेकिन समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई। उन्होंने बताया कि वे नियमित रूप से बिल का भुगतान करते रहे हैं, जिसका रिकॉर्ड विभाग के पास उपलब्ध है। रामायण प्रसाद गौतम ने बताया कि जून 2023 में ऊपरी मंजिल में उपयोग न होने के बावजूद बिजली बिल जारी किया गया। इस पर उन्होंने मीटर जांच कराने का अनुरोध किया, लेकिन विभाग ने ऑनलाइन फीस जमा नहीं होने का हवाला देते

हुए प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई और मैनुअल भुगतान भी स्वीकार नहीं किया। इसके बाद उन्होंने 25 जून 2023 को बिजली कॉल सेंटर 1912 और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि विभाग ने शिकायत के निराकरण में झूठी जानकारी दर्ज की और यह दर्शाया कि उपभोक्ता संपर्क में नहीं है, जबकि दस्तावेजों में आईवीआरएस नंबर स्पष्ट रूप से दर्ज था। इससे परेशान होकर आवेदक को उपभोक्ता फोरम का सहारा लेना पड़ा। रामायण प्रसाद गौतम ने संभागीय आयुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और तत्काल प्रभाव से बिजली सप्लाई बहाल कराने की मांग की है।उपभोक्ता फोरम में फर्जी दस्तावेज पेश करने का आरोपआवेदक का

आरोप है कि जब मामला उपभोक्ता फोरम पहुंचा तो विभाग के अधिकारियों कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, फीडर प्रभारी और लाइनमैन ने अपनी लापरवाही छिपाने के लिए 20 दिसंबर 2024 का कथित फर्जी मीटर निरीक्षण प्रपत्र तैयार किया और उसमें उनके फर्जी हस्ताक्षर कर दिए। इसी आधार पर उपभोक्ता फोरम ने निर्णय आवेदक के खिलाफ सुनाया, जिसकी अपील वर्तमान में राज्य उपभोक्ता फोरम में विचाराधीन है।लाइन लॉस की जानकारी मांगने पर कार्रवाई, अचानक काट दी बिजलीआवेदक का कहना है कि उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत लाइन लॉस की जानकारी मांगी थी और सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई थी। इसी से नाराज होकर विभाग के अधिकारियों ने 29 मार्च 2026 की सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के उनके घर की बिजली सप्लाई पोल से काट दी। उन्होंने इसकी शिकायत तत्काल 1912 कॉल सेंटर और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कराई, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।रिश्वत लेने का आरोप, फिर भी नहीं जोड़ी गई सप्लाईलगातार अंधेरे और गर्मी से परेशान होकर आवेदक के परिजनों ने संबंधित सहायक यंत्री से संपर्क किया। आरोप है कि मजबूरी में 36 हजार रुपए देने पड़े, जिसके बाद विभाग ने पोर्टल पर बिजली सप्लाई चालू करने की जानकारी दर्ज कर दी। हालांकि, आवेदक का कहना है कि जमीनी हकीकत यह है कि उनके घर की बिजली अब तक चालू नहीं की गई है और पूरा परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर है।बीमार दंपत्ति पर संकट, स्वास्थ्य बिगड़ने की आशंकारामायण प्रसाद गौतम और उनकी पत्नी दोनों उच्च रक्तचाप के मरीज हैं। उन्होंने बताया कि लगातार बिजली न होने के कारण गर्मी और अंधेरे में रहना पड़ रहा है, जिससे उनकी तबीयत पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। दवाइयों के बावजूद स्थिति नियंत्रित नहीं हो पा रही है। आवेदक ने इसे अमानवीय और क्रूर व्यवहार बताते हुए कहा कि यदि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग और प्रशासन की होगी।

नौकरी दिलाने के नाम पर 8 लाख की ठगी, तथाकथित भाजपा नेता पर आरोप एक युवक सहित महिला ने एसपी कार्यालय पहुंचकर की शिकायत,

पंचायत सचिव बनाने का दिया था झांसा,पूर्व भी लग चुके हैं आरोप

रीवा। जिले में बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का मामला एक बार फिर सामने आया है। खुद को भाजपा से जुड़ा हुआ नेता बताने वाले रामसखा वर्मा पर दो लोगों से लाखों रुपए ठगने का आरोप लगा है। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी रामसखा वर्मा लोगों को अपने राजनीतिक संबंधों और प्रभाव का हवाला देकर सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाता है। वह खासतौर पर बेरोजगार युवाओं को अपने झांसे में लेकर उनसे बड़ी रकम वसूल करता है। ताजा मामले में सतना जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के छिबौरा गांव निवासी सोनू साकेत ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसे जिला पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर नियुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया। इसके एवज में उससे 3 लाख रुपए ले लिए गए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो नौकरी मिली और न ही रकम वापस की गई। इसी तरह रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र के दुआरी गांव निवासी अरुण कुमार साकेत ने भी आरोप लगाया है कि पंचायत सचिव की नौकरी दिलाने के नाम पर आरोपी ने उससे 5 लाख रुपए वसूल लिए। दोनों मामलों में आरोपी ने भरोसा दिलाया था कि उसके उच्च अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं से अच्छे संबंध हैं, जिसके चलते नियुक्ति आसानी से हो जाएगी।पहले भी सामने आ चुके हैं मामलेबता दे तथाकथित भाजपा नेता रामसखा वर्मा पर पहले भी इस तरह के आरोप लग चुके हैं। कुछ समय पहले

एक युवती से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए लेने का मामला भी सामने आया था। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से आरोपी के हौसले बुलंद बताए जा रहे हैं।एसपी कार्यालय पहुंचकर लगाई गुहारदोनों पीड़ितों ने रीवा स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत की है। उन्होंने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ितों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो और भी लोग इस तरह की ठगी का शिकार हो सकते हैं।

पुलिस कस्टडी में रहते हुए 110 किलो गांजा में बने 5 आरोपियों को न्यायालय ने किया दोष मुक्त

समान थाना क्षेत्र में दो वाहनों के साथ पकड़ा गया था गांजा,अभियोजन साक्ष्य साबित करने में नाकाम

रीवा। जिले के चर्चित एनडीपीएस प्रकरण में विशेष न्यायालय एनडीपीएस, रीवा ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। वर्ष 2018 में थाना समान पुलिस द्वारा 1 कुंटल गांजा बरामदगी के दावे के साथ दर्ज इस मामले में लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध नहीं कर सका। पुलिस के अनुसार, 3 अगस्त 2018 की रात करीब 11 बजे संजय नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए राहुल पयाशी, अभिनव, नीरज, शशिभूषण और परशुराम को एक चार पहिया कार और सफारी वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपियों के कब्जे से लगभग 1 कुंटल गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए 12 गवाह प्रस्तुत किए, लेकिन जिरह के दौरान उनके बयानों में कई विरोधाभास सामने आए। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनिल, राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह), गिरीश पटेल, रामदल रावत, साक्षी सिंह बघेल, साक्षी सिंह परिहार, संभव मिश्रा, सुरेश विश्वकर्मा और तृषा कुशवाहा ने प्रभावी पैरवी की। बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव

सिंह परिहार ने न्यायालय में तर्क रखा कि मुख्य आरोपी राहुल पयाशी को घटना के दिन सुबह लगभग 9 बजे ही पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में ले लिया था, जबकि गिरफ्तारी रात 11 बजे दर्शाई गई। इस संबंध में उसी दिन न्यायालय के समक्ष अवैध अभिरक्षा का आवेदन भी प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपी राहुल को स्वयं न्यायालय में प्रस्तुत कर यह स्थापित किया कि उसे कथित समय से पहले ही हिरासत में रखा गया था, जिससे पुलिस की कार्रवाई पर संदेह उत्पन्न हुआ। दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद विशेष न्यायालय ने माना कि अभियोजन का मामला संदेह से परे प्रमाणित नहीं हो पाया है। साथ ही, अवैध अभिरक्षा के तथ्य को भी महत्वपूर्ण मानते हुए अदालत ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से मिलेगी मुफ्त बिजली और होगा पर्यावरण संरक्षण

रीवा । भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण भी होगा। ताप विद्युत केन्द्रों से बिजली उत्पादन के लिए भारी मात्रा में कोयले का दहन किया जाता है जो पर्यावरण के प्रतिकूल है। सोलर पैनल पूरी तरह से निःशुल्क तथा पर्यावरण के अनुकूल है। बिजली का उपयोग करने वाले आवासीय घरों में सोलर पैनल लगवाकर बिजली के बिल में 30 से 70 प्रतिशत तक की कमी ला सकते हैं। इस संबंध में अधीक्षण यंत्री बीके शुक्ला ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत दो किलोवाट तक की क्षमता वाले छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए 30 हजार प्रति किलोवाट वित्तीय सहायता दी जाती है। इसी तरह तीन किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगवाने पर 78 हजार का अनुदान दिया जा रहा है। अधीक्षण यंत्री शुक्ल ने बताया कि छत पर सोलर पैनल लगाने से प्रति किलोवाट 1300 यूनिट बिजली का साल भर में उत्पादन होता है। इस बिजली को नेट मीटरिंग वाली बिजली यानी ग्रिड से जोड़ने पर मासिक बिजली बिल में काफी कमी आती है। नेट मीटरिंग प्रक्रिया के द्वारा लगाया गया मीटर सोलर पैनल से प्राप्त बिजली तथा ग्रिड से ली गई बिजली का आकलन करता है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली यदि घरेलू उपकरणों में उपयोग से अधिक है तो उसे ग्रिड में भेज देता है। जब सोलर पैनल से बिजली का उत्पादन नहीं होता तब स्वचालित तरीके से ग्रिड से बिजली की आपूर्ति घर में होती रहती है। उपभोक्ता को केवल अतिरिक्त बिजली के लिए ही राशि देनी होती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पीएम सूर्य घर डॉट जीओएमी डॉट इन अथवा स्मार्ट बिजली एप से आवेदन किया जा सकता है। सरकार द्वारा सोलर पैनल लगाने के लिए वेंडर निर्धारित कर दिए गए हैं। इनसे प्रस्ताव लेकर प्रतिस्पर्धी मूल्य के आधार पर सोलर पैनल लगवाएं।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने मऊगंज में निकाली जाएगी विशाल पद यात्रा हाटेश्वर नाथ से आज होगा सात दिवसीय गौ संरक्षण पदयात्रा का शुभारंभ

मऊगंज। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने तथा गौ संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाटेश्वर नाथ मंदिर हाटा से 2 अप्रैल को विशाल सात दिवसीय यात्रा निकाली जाएगी। निर्धारित अवधि को यात्रा का शुभारंभ सुबह 8 बजे से सुनिश्चित किया गया है। गौ संरक्षण के उद्देश्य से मऊगंज जिले में निकाली जा रही सात दिवसीय यात्रा को सफल बनाने की कार्य योजना को लेकर तपेश्वर धाम मऊगंज में सोमवार को कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में यात्रा की रूप-रेखा एवं अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।आयोजित बैठक के दौरान गौ संरक्षण यात्रा को लेकर समाजसेवी अखिलेश पाण्डेय ने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने की जन-जागरूकता फैलाना तथा गौ आधारित उत्पादों के प्रशिक्षण के माध्यम से मऊगंज क्षेत्र को स्वावलंबी बनाना है।उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान गौ संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा।

साथ ही यात्रा के दौरान निहित किए गए रात्रि कालीन विश्राम स्थल में सुंदरकांड पाठ, श्री रामचरितमानस पाठ एवं कवि सम्मेलन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में क्षेत्र के संतों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा।यात्रा का प्रत्येक तहसील में होगा विश्रामपूर्व निर्धारित कार्य योजना अनुसार सात दिवसीय यात्रा में प्रतिदिन लगभग 15-20 किलोमीटर की पदयात्रा कर प्रत्येक तहसील में रात्रि विश्राम होगा। सभी तहसीलों के भ्रमण उपरांत यात्रा का समापन 8 अप्रैल को मऊगंज में होगा।आयोजित होने जा रही यात्रा के मुख्य संरक्षक बिपिन शुक्ला, शंकरलाल गुप्ता, अधिवक्ता पंकज शुक्ला होंगे तो कार्यक्रम के संयोजक समाजसेवी अखिलेश पाण्डेय तथा सह-संयोजक प्रमोद मिश्रा एवं मुकेश चतुर्वेदी जिम्मेदारी निभाएंगे जिनकी विशेष उपस्थिति में यात्रा के कार्य योजना को मूर्त रूप देने के लिए आयोजित बैठक में मऊगंज तहसील प्रभारी रोहित शुक्ला, देवतालाब तहसील प्रभारी देवेंद्र पाण्डेय, शाहपुर मंडल प्रभारी दिनेश तिवारी, मयंक मिश्रा, रामजी शुक्ला, अमित शुक्ला, ध्रुव सिंह सहित बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित रहे।

जनसमर्थन और विकास के संकल्प के साथ सामाजिक समरसता यात्रा- पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी

मऊगंज। पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी द्वारा जनआस्था जनसमर्थन और विकास के संकल्प के साथ समाजिक समरसता यात्रा के दूसरे दिन भुअरी से भव्य शुरुआत हुई, जहाँ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हुए और पूरे उत्साह के साथ यात्रा को आगे बढ़ाया गया।इसके पश्चात यात्रा मलैगांव, बरौही,दादर, केरहा, तिलया, खूंटा एवं नदना होते हुए आगे बढ़ती रही,जहाँ हर स्थान पर लोगों का अपार स्नेह, स्वागत और जनसमर्थन देखने को मिला जहां प्रत्येक गांवों में सैकड़ों से ज्यादा की तादाद में लोगों की उपस्थिति रही।प्रत्येक गाँव में बढ़ती सहभागिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह यात्रा अब जनआस्था के साथ-साथ जनविश्वास की भी मजबूत पहचान बन चुकी है एवं कार्यक्रम में प्रत्येक गांवों में सैकड़ों से ज्यादा की तादाद में लोगों की उपस्थिति रही।आज की यात्रा का समापन झरी गाँव में कुलदीप द्विवेदी के निवास के पास हुआ, जहाँ लोगों की अच्छी-खासी उपस्थिति रही और पूरे दिन की यात्रा का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। वहीं झरी में उमड़ी भीड़ ने इस जनसभा के पूरे आयोजन को एक विशाल जनसमर्थन का रूप दे दिया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से बब्बू द्विवेदी (पूर्व सरपंच) चहला,मयंक चतुर्वेदी,राजा, बल्लू, विप्रधर द्विवेदी (पूर्व सी.ई.ओ.) जनपद,रोशनलाल मिश्रा, मंगलेश्वर मिश्रा,राजनरायन यादव, भीमसेन प्रजापति (पूर्व शिक्षक),कुलदीप द्विवेदी, रुक्मणि द्विवेदी,निलेश द्विवेदी (उपसरपंच) बरही, मुन्नीलाल प्रजापति (पूर्व सरपंच) बरही,रामलाल पटेल (पूर्व उपसरपंच) बरही, रविदत्तधर द्विवेदी, अंबिकाधर द्विवेदी, लक्ष्मीधर द्विवेदी,अशोक तिवारी,प्रमोद तिवारी, राजकृष्ण तिवारी, इंद्रमणि पटेल, हीरालाल यादव,रामयश यादव,विमला मौर्य,बुद्धसेन साकेत,मोहनलाल

कोल एवं हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर इंद्रमणि प्रसाद द्विवेदी मुन्ना(झरी)जी ने अपने संबोधन में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल जी के नेतृत्व और उनके द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजेंद्र शुक्ल जी के प्रयासों से रीवा क्षेत्र में अभूतपूर्वविकास हुआ है। रीवा में एयरपोर्ट की स्थापना से क्षेत्र को नई पहचान और बेहतर कनेक्टिविटी मिली है, एशिया के सबसे बड़े सोलर प्लांट से ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति आई है, वहीं रेलवे सुविधाओं के विस्तार, स्टेशनों के उन्नयन और सड़कों के व्यापक विकास से आमजन का जीवन अधिक सुगम हुआ है। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में भी निरंतर प्रगति देखने को मिल रही है।इसी क्रम में उन्होंने पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी जी के कार्यकाल को भी याद करते हुए कहा कि मऊगंज को जिला बनाए जाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे क्षेत्र को नई प्रशासनिक पहचान मिली। इसके साथ ही बाणसागर परियोजना तथा दुर्गम चौरहाट मार्ग का निर्माण जो कि प्रगति में है क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने में उनका योगदान सराहनीय रहा है।पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का वर्षों पुराना सपना था कि इसे जिला बनाया जाए, और उस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने अपने कार्यकाल में निरंतर प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मऊगंज को जिला बनाना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक बड़ा कदम था।। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या को खुद सुनना और उसे अपनी निजी जिम्मेदारी समझकर पूरी निष्ठा के साथ हल करना ही उनकी कार्यशैली रही है। चाहे क्षेत्र में सड़कों का निर्माण हो, स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाना हो, या युवाओं की शिक्षा के लिए संसाधनों की व्यवस्था करना, उन्होंने हमेशा जनहित को ही सर्वोपरि रखा है।उन्होंने झरी गांव के प्रति अपना विशेष स्नेह व्यक्त करते हुए उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे इस गांव को अपने हृदय का कलेजाह मानते हैं और यहाँ के लोगों ने उन्हें जो अपार प्रेम और सम्मान दिया है, उसके लिए वे हमेशा ऋणी रहेंगे। यह यात्रा अब केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, एकता और विकास के संकल्प का प्रतीक बन चुकी है। हर गाँव में मिल रहा अपार समर्थन इस बात का प्रमाण है कि क्षेत्र की जनता विकास और जनसेवा के साथ मजबूती से खड़ी है और आने वाले समय में यह जनसमर्थन नई दिशा तय करेगा।